Downloaded From :http://cbseportal.com/

SET-3

Series HRK/NSQF

कोड नं. **503/3**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **12** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II
SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी
HINDI

(पाठ्यक्रम अ)
(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 90*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

(ii) ***सभी** खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

इस संसार में मधुर भाषण एक अनमोल ओषधि है, लेकिन कटु वचन ज़हरीले बाण के समान है । हमारी वाणी ही प्रथम प्रभाव छोड़ती है । अपने अनुशासन, संयम, संतुलन तथा मिठास के कारण वाणी ऐसी शक्ति है जो हर कठिन स्थिति में हमारे अनुकूल रहती है जो मरने के बाद भी लोगों की स्मृतियों में उन्हें अमर बना देती है । बोलने का विवेक, कला और पटुता व्यक्ति की शोभा है उसका आकर्षण है । अच्छा वक्ता अपार जनसमूह का मन मोह लेता है, मित्रों के बीच सम्मान व प्रेम का आकर्षण केन्द्र बन जाता है । जो लोग किसी बात को राई का पहाड़ बनाकर प्रस्तुत करते हैं वे न केवल सुनने वालों की धैर्य परीक्षा करते हैं बल्कि दूसरों का समय भी नष्ट करते हैं । बात को खींचने वालों से लोग ऊब जाते हैं । कटुभाषी अपने तमाम गुणों के बावजूद मान-सम्मान नहीं पाते और उपहास के पात्र बनते हैं । उनकी संगति को कोई पसंद नहीं करता ।

(क) वक्ता को लोगों की स्मृति में अमरता प्रदान करने वाला गुण नहीं है

(i) वाणी का विवेक

(ii) बोलने की कला

(iii) वाणी का माधुर्य

(iv) वाणी की विनम्रता

(ख) समाज में वही व्यक्ति सम्मान पाता है जो

(i) निंदक है ।

(ii) चुग़लख़ोर है ।

(iii) तिल का ताड़ बनाता है ।

(iv) वाक् पटु है ।

(ग) निम्नलिखित में से कौन-सा गुण अच्छे वक्ता में होता है ?

(i) बात को दोहराना

(ii) बात की व्याख्या करना

(iii) बात को अनुशासित रखना

(iv) इधर-उधर की हाँकना

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL www.cbseportal.com

(घ) लोग आपको पसंद तभी कर पाएँगे जब आप

(i) कटु सत्य बोलेंगे ।

(ii) बहुत मीठा बोलेंगे ।

(iii) विवेकपूर्ण बात कहेंगे ।

(iv) अति वाचाल होंगे ।

(ङ) व्यक्ति की वाणी में ***नहीं*** होना चाहिए

(i) संयम

(ii) अविवेक

(iii) संतुलन

(iv) माधुर्य

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

पुस्तकें पढ़ने की एक कला होती है । विशेषज्ञों का कथन है कि धीरे-धीरे नहीं बल्कि तेज़ी के साथ पढ़ना चाहिए; क्योंकि गति और ज्ञान का परस्पर गहरा संबंध होता है । तेज़ पढ़ने से विचारधारा खंडित नहीं होती और एक-एक वाक्य का संपूर्ण विचार मस्तिष्क में यथास्थान बैठता चला जाता है । एक-एक शब्द को घोटने वाला व्यक्ति गर्भित विचार को एक साथ ग्रहण नहीं कर पाता, इसलिए वह उसको ठीक-से याद नहीं कर पाता । ध्यान दें कि कथ्य का पूरा भाव एक शब्द या दो-चार शब्दों में ही समाया नहीं रहता बल्कि वह वाक्यों में मिलता है ।

अतएव शब्दार्थ पर ध्यान न देकर वाक्यार्थ पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि अभिप्राय समझने के लिए ग्रंथ पाठ किया जाता है । शैली, यथाक्रम और शब्दजाल में न उलझकर ग्रंथ के मर्म को समझना चाहिए । पढ़ते समय वर्णित विषय को कल्पना से साकार करके देखना चाहिए ।

(क) लेखक का पूरा आशय छिपा रहता है

(i) शब्द में

(ii) वाक्यांश में

(iii) वाक्य में

(iv) शब्द क्रम में

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

(ख) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन ठीक ***नहीं*** है ?

(i) गति और ज्ञान का संबंध होता है ।

(ii) शीघ्र पठन से विचार खंडित नहीं होते ।

(iii) वाक्यों में ही आशय छिपा होता है ।

(iv) विचार वाक्यों में नहीं शब्दों में बसता है ।

(ग) धीरे पढ़ने का परिणाम यह होता है कि

(i) पाठ का भाव समझ में नहीं आता ।

(ii) धीरे पढ़ने से विचार टूट जाता है ।

(iii) कथ्य को समझना संभव नहीं होता ।

(iv) वाक्यों को दुबारा पढ़ना पड़ता है ।

(घ) पढ़ते समय पाठक को किस पर ध्यान ***नहीं*** देना चाहिए ?

(i) कथ्य पर

(ii) कथ्य की शैली पर

(iii) प्रत्येक शब्द के अर्थ पर

(iv) कथ्य के मर्म पर

(ङ) पढ़ने का अर्थ है

(i) वर्णों को पहचानना

(ii) शब्द को उच्चरित करना

(iii) अर्थ को समझना

(iv) वाक्य को बाँचना

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

3. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

जो पूर्व में हमको अशिक्षित या असभ्य बता रहे
वे लोग या तो अज्ञ हैं या पक्षपात जता रहे ।
यदि हम अशिक्षित थे, कहें तो, सभ्य वे कैसे हुए ?
वे आप ऐसे भी नहीं थे, आज हम जैसे हुए ।
ज्यों-ज्यों हमारी प्रचुर प्राचीनता की खोज बढ़ती जाएगी
त्यों-त्यों हमारी उच्चता पर आप चढ़ती जाएगी ।
जिस ओर देखेंगे हमारे चिह्न दर्शक पाएँगे
हमको गया बतलाएँगे, जब, जो जहाँ तक जाएँगे ।
कल जो हमारी सभ्यता पर थे हँसे अज्ञान से
वे आज लज्जित हो रहे हैं अधिक अनुसन्धान से ।
गिरते हुए भी दूसरों को हम चढ़ाते ही रहे
घटते हुए भी दूसरों को हम बढ़ाते ही रहे ।

(क) "जो पूर्व में हमको ..." पंक्ति में आए 'पूर्व' शब्द का अर्थ है

(i) बहुत पहले
(ii) पूर्व दिशा में
(iii) पूर्वी देशों में
(iv) बड़े-बुज़ुर्गों में

(ख) 'अज्ञ' शब्द का अर्थ है

(i) बहुत जानने वाले
(ii) कुछ न जानने वाले
(iii) मूर्खतापूर्ण काम करने वाले
(iv) धूर्त लोग

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL
www.cbseportal.com

(ग) “हमको गया बतलाएँगे ...” पंक्ति में ‘गया’ शब्द से तात्पर्य है

(i) गया-गुज़रा

(ii) बीते समय का

(iii) पहले से पहुँचे हुए

(iv) अति उन्नत सभ्यता वाले

(घ) कवि बताना चाहता है कि

(i) भारत की संस्कृति महान् है ।

(ii) भारत प्राचीन था ।

(iii) भारत असभ्य और अशिक्षित था ।

(iv) भारत समृद्ध था ।

(ङ) ‘गिरते हुए भी दूसरों को हम चढ़ाते ही रहे’ पंक्ति का भाव है

(i) हम दूसरों की मदद करते रहे

(ii) हम दूसरों को सभ्य बनाते रहे

(iii) हम स्वयं घाटा खाते रहे

(iv) हम दूसरों के लिए प्राण गँवाते रहे

4. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

वह आता
दो टूक कलेजे के करता पछताता
पथ पर आता ।
पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक
चल रहा लकुटिया टेक
मुट्ठी भर दाने को ... भूख मिटाने को
मुँह फटी पुरानी झोली का फैलाता
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता ।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL
www.cbseportal.com

साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए
बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते
और दाहिना दया-दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए ।
भूख से सूख ओंठ जब जाते
दाता-भाग्य-विधाता से क्या पाते ?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते ?
चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए ।

(क) कलेजे के दो टूक होने का कारण है

(i) फटी-पुरानी झोली

(ii) लाचारी और बदहाली

(iii) भिखारी की दयनीयता

(iv) छोटे बच्चों की विवशता

(ख) 'चल रहा लकुटिया टेक' से पता चलता है

(i) बेबसी का

(ii) कमज़ोरी का

(iii) बढ़ती भूख का

(iv) बच्चों द्वारा सहारा न दिए जाने का

(ग) व्यक्ति ने बच्चों को साथ क्यों लिया है ?

(i) रास्ता दिखाने के लिए

(ii) पिता का साथ देने के लिए

(iii) भीख माँगने के लिए

(iv) यूँ ही घूमने के लिए

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

(घ) निचली पंक्ति में प्रयुक्त 'झपट' का अर्थ है

(i) झाड़ना

(ii) झगड़ना

(iii) छीनना

(iv) फेंकना

(ङ) बच्चे पेट को मलते हैं क्योंकि

(i) वे भूखे हैं ।

(ii) उनके पेट में दर्द है ।

(iii) पेट बड़ा हो गया है ।

(iv) आँते खिंच गई हैं ।

खण्ड ख

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×3=3*

(क) पिताजी ने बच्चे को बुलाकर समझाया । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) माता ने कहा, सभी को बुला लो । (सरल वाक्य बनाइए)

(ग) चोरी करने वाले को पुलिस पकड़ती है । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) सभी छात्र पुस्तकें पढ़ते हैं । (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ख) हमसे पहाड़ पर नहीं चढ़ा जाता । (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ग) दीवाली पर पटाखे छोड़े गए । (वाच्य-भेद बताइए)

(घ) यह पक्षी नहीं उड़ सकता । (भाववाच्य बनाइए)

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL
www.cbseportal.com

7. निम्नलिखित रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए : *1×4=4*

वे घर आए किंतु वहाँ भी मोहन नहीं मिला ।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) 'रति' किस रस का स्थायी भाव है ?

(ख) करुण रस के स्थायी भाव का नाम लिखिए ।

(ग) आलंबन किसे कहते हैं ?

(घ) 'लखन उतर आहुति सरिस, भृगुवर कोप कृसानु ।।'

उक्त पंक्ति में कौन-सा रस है ?

खण्ड ग

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+1=5*

शहनाई की इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं । अस्सी बरस से पाँचों वक़्त वाली नमाज़ इसी सुर को पाने की प्रार्थना में ख़र्च हो जाती है । लाखों सजदे, इसी एक सच्चे सुर की इबादत में ख़ुदा के आगे झुकते हैं – मेरे मालिक ! एक सुर बख़्श दे । सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ । उनको यक़ीन है ख़ुदा यूँ ही उन पर मेहरबान होगा और अपनी झोली से सुर का फल निकाल कर उनकी ओर उछालेगा, फिर कहेगा, ले जा अमरुद्दीन इसको खा ले और कर ले अपनी मुराद पूरी ।

(क) खाँ साहब ख़ुदा से क्या चाहते हैं और क्यों ?

(ख) किस बात से पता चलता है कि खाँ साहब को ख़ुदा में यक़ीन है ?

(ग) 'तासीर' और 'मुराद' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

CBSE PORTAL
www.cbseportal.com

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : *2×5=10*

(क) आप किस आधार पर कहेंगे कि काशी के प्रति बिस्मिल्ला खाँ की श्रद्धा थी ?

(ख) कॉलेज की प्रिंसिपल मन्नू भंडारी से क्यों परेशान थी ?

(ग) मन्नू भंडारी ने 'पितृगाथा' का क्या उद्देश्य बताया है ?

(घ) संगीत के प्रति बिस्मिल्ला जी के समर्पण के दो उदाहरण दीजिए ।

(ङ) शिक्षा-प्रणाली के बारे में लेखक के विचार को स्पष्ट कीजिए ।

11. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़िए और उसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+1=5*

लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली थी
कि उसे सुख का आभास तो होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की
कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की ।

(क) कवि को लड़की भोली क्यों लगती है ?

(ख) 'कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों' से कवि क्या कहना चाहता है ?

(ग) कवि और कविता का नाम लिखिए ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : *2×5=10*

(क) धनुष के तोड़े जाने के बाद परशुराम ने लक्ष्मण को क्या कहा ?

(ख) कन्यादान कविता में कवि किसके दुख को प्रामाणिक कहता है और क्यों ?

(ग) परशुराम जी के सामने लक्ष्मण की उग्रता का कारण स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'पर लड़की-जैसी दिखाई मत देना' पंक्ति में 'लड़की-जैसी' से क्या अभिप्राय है ?

(ङ) क्या आपने अपने घर में कभी संगतकार का-सा व्यवहार किया है ? अपना अनुभव लिखिए ।

13. 'साना-साना हाथ जोडि' पाठ के आलोक में सैनिकों के त्याग और कठोर श्रम पर जीवन-मूल्यों की दृष्टि से टिप्पणी कीजिए । *5*

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/
CBSE PORTAL
www.cbseportal.com

खण्ड घ

14. निम्नलिखित का सार एक-तिहाई शब्दों में लिखिए : *5*

भिखारी की भाँति गिड़गिड़ाना प्रेम की भाषा नहीं है । यहाँ तक कि मुक्ति पाने के लिए भगवान् की उपासना भी अधम उपासना मानी जाती है । प्रेम कोई पुरस्कार नहीं चाहता । प्रेम तो सर्वथा प्रेम के लिए ही होता है । भक्त इसलिए प्रेम करता है कि बिना प्रेम किए वह रह ही नहीं सकता । जब तुम किसी मनोहर प्राकृतिक दृश्य को देखकर उस पर मोहित हो जाते हो तो उस दृश्य से तुम किसी फल की याचना नहीं करते और न वह दृश्य ही तुमसे कुछ माँगता है । फिर उस दृश्य का दर्शन तुम्हारे मन को बड़ा आनंद देता है वह तुम्हारे मन को शांत कर देता है और तुम्हें अपनी नश्वर प्रकृति से ऊपर उठाकर एक स्वर्गिक आनंद से भर देता है । अत: अपने प्रेम के बदले में कुछ मत माँगो ।

15. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 – 250 शब्दों में निबंध लिखिए : *10*

(क) मेरे जीवन का लक्ष्य

- लक्ष्य क्यों
- कैसे पाना है लक्ष्य
- मेरी तैयारियाँ

(ख) अविस्मरणीय यात्रा

- यात्रा की तैयारी
- घटना-विशेष
- क्यों बनी यादगार

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

(ग) इंटरनेट की दुनिया

- विज्ञान का चमत्कार
- विविध जानकारियों का भंडार
- वरदान भी, अभिशाप भी

16. परिवहन-अधिकारी को बसों के फेरे बढ़ाने के लिए अनुरोध-पत्र लिखिए । *5*

अथवा

आपके बड़े भाई ने आपके जन्म-दिन पर जो उपहार भेजा था, उसके लिए उसे धन्यवाद-पत्र लिखिए ।

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE